BRILLION Publishing

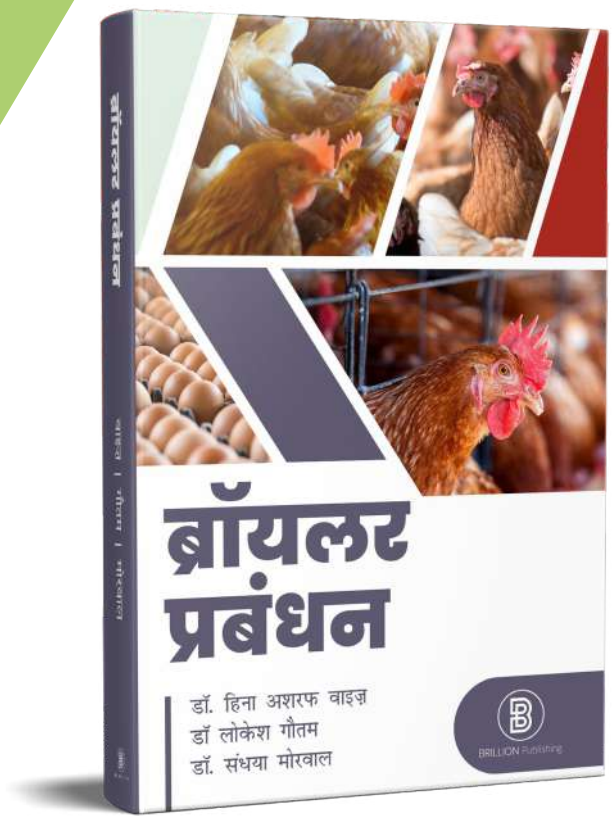

ब्रॉयलर प्रबंधन

इस पुस्तक को विकसित करने का मुख्य लक्ष्य ब्रायलर फार्म कर्मचारी और विद्वानों, किसानों और उद्यमियों के लिए खेती पर एक सरलीकृत पुस्तिका बनाना था। इस पुस्तिका में किसी भी आकार या प्रकार की ब्रायलर इकाई को स्थापित करने के लिए सभी जानकारी आवश्यक हैं। ब्रायलर फार्मिंग प्रणाली का उत्कृेष्य पषुपालन को बढावा देना हैं। इसमे उद्यम को लाभदायक बनाने की क्षमता हैं। सरकार की योजना सात – सूत्रीय रणनीति को लागू करने की है। जिसमें उत्पादकता को बढाना देना, निवेष लागतों का कुषल उपयोग करना, मूल्य जोड़ना और पषुपालन विपणन में सुधार करना शामिल हैं, अगले पांच वर्शों मे किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी। यह पुस्तिका पहले से ही पोल्ट्री व्यवसाय में और उद्यमियों के ज्ञान और विषेशज्ञता को बढाएगी या एक ब्रायलर चिकन इकाई स्थापित करना चाहेगी। इच्छा और पहल वाला कोई भी व्यक्ति इस पुस्तक में विस्तृत सलाह, दिषानिर्देषों और सुझावों का पालन करके एक सफल और लाभदायक उद्यम शुरु कर सकता हैं।

ISBN: 978-81-968848-8-8
e-ISBN: 978-81-968848-0-2
Pages: 106
2024
Printed Copy
Paperback ₹ 495/-

डॉ. हिना अशरफ वाइज | डॉ लोकेश गौतम
डॉ. संधया मोरवाल

विषय-सूची

- भारत में कुक्कुट पालनः परिचय
- ब्रायलर फार्म में कर्मचारियों की आवश्यकताएं
- ब्रायलर पालन के लिए आवष्यक संसाधन
- भारत में कुक्कुट की नस्लें
- कुक्कुट पक्षियों के लिए भूमि और आवास की तैयारी
- पोल्ट्री की उत्पादन क्षमता को प्रभावित करने वाले विभिन्न पर्यावरणीय कारक
- चूजों के आगमन की तैयारी और योजना
- कुक्कुट पालन प्रणाली
- पोल्ट्री में तनाव का प्रबंधन
- मुर्गीयों का आहार प्रबन्धन
- पोल्ट्री फार्म में पक्षियों का स्वास्थ्य प्रबंधन
- पोल्ट्री (कुक्कुट) उपकरण
- मुर्गीपालन में रिकार्ड रखना
- पोल्ट्री फार्म अपशिष्ट निपटान का प्रबंधन
- पोल्ट्री फार्म स्वच्छता
- व्यावसायिक ब्रायलर फार्मिंग पर मॉडल परियोजना रिपोर्ट

ISBN: 978-81-968848-8-8

For e-version of the book or sample chapter for personal perusal contact:
info@brillionpublishing.com
www.brillionpublishing.com